

डॉ. गैरी मीडर्स, 1 कुरिन्थियों, व्याख्यान 2, अभिविन्यास, इतनी सारी बाइबल , इतना कम समय, भाग 2

© 2024 गैरी मीडर्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह व्याख्यान 2 है, अभिविन्यास, इतनी सारी बाइबल, इतना कम समय, भाग 2।

1 कुरिन्थियों और बाइबिल ई-लर्निंग साइट पर हमारी श्रृंखला के दूसरे व्याख्यान में आपका स्वागत है।

मेरा नाम गैरी मीडर्स है। कम से कम, मेरा खुद से परिचय पहले व्याख्यान की शुरुआत में है। पिछली बार हमने इतने सारे बाइबल, इतने कम समय के बारे में बात करना बंद कर दिया था।

इस विशेष खंड का उद्देश्य अंग्रेजी अनुवादों के प्रसार से निपटना है, बाइबल की व्याख्या के लिए इसका क्या अर्थ है, और यहां तक कि अन्य ईसाइयों के साथ बातचीत करने के लिए इसका क्या अर्थ है जो आपसे अलग बाइबल का उपयोग करते हैं। मैं विभिन्न प्रकार की बाइबलों के संबंध में आपको कुछ चेतना लाने की कोशिश कर रहा हूँ। पिछली बार जब मैंने एक बिंदु का वर्णन किया था, तो मैंने डुकोनचेंको का उल्लेख किया था, जो रूसी बैपटिस्ट संघ के प्रमुख थे।

मैं उस समय कीव में था। यह दशकों पहले की बात है। अब वह मर चुका है।

वह और मैं उनके दफ्तर में बैठे बाइबल की एक आयत के बारे में बात कर रहे थे। बेशक, हमारे पास एक अनुवादक था, और मैंने अपनी बाइबल पढ़ी। जब मैं अपनी बाइबल पढ़ रहा था, तो वह अपनी रूसी बाइबल पढ़ रहा था।

परिणामस्वरूप, उसे यह वैसा नहीं लगा जैसा मैं कर रहा था। इसलिए, वह झुक गया और पूछा, आप क्या पढ़ रहे हैं? या कम से कम अनुवादक के माध्यम से, उसने ऐसा किया। मैंने उसे दिखाया कि मैं वास्तव में ग्रीक न्यू टेस्टामेंट का अनुवाद कर रहा था।

उस बातचीत में, मैंने रूसी बाइबल, लूथर और किंग जेम्स बाइबल के बारे में कई बातें बताईं और सामने लाईं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं उन चीजों के बीच के संबंध के बारे में उतना स्पष्ट था जितना मुझे होना चाहिए था। तो, ड्यूक और मेरे द्वारा बाइबल के अर्थ के बारे में बात करने और यह महसूस करने के उदाहरण को लें कि अनुवाद से फर्क पड़ता है।

क्योंकि मैंने उनके द्वारा देखी जा रही बाइबल से अलग हटकर सोचा था। और उस समय उनके पास जर्मन और रूसी दोनों ही भाषाएँ थीं। और यह उसी तरह क्यों नहीं निकली, इस पर एक दिलचस्प बातचीत हुई।

मैं इसे स्पष्ट करना चाहता था क्योंकि मैं वास्तव में स्पष्ट नहीं था। यह मेरे दिमाग में आया एक उदाहरण था, जो शायद एक बुरी बात है। और मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि अगर रूसी समुदाय में कोई भी व्यक्ति सुन रहा था, तो मैं रूसी बाइबिल के इतिहास के बारे में बात करने की कोशिश नहीं कर रहा था, जो कि मेरे द्वारा बताई गई चीजों से काफी अलग है।

लेकिन ड्यूक के कार्यालय में कई साल पहले हुई एक घटना के बारे में। अब, जब हम रुके, तो हम अनुवाद करने के तरीके में अंतर को इंगित करने की कोशिश कर रहे थे। आप देखिए, औपचारिक तुल्यता और गतिशील तुल्यता अनुवाद के दो अलग-अलग दर्शन हैं।

औपचारिक तुल्यता के अनुवाद का दर्शन जितना संभव हो उतना शाब्दिक होना, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र होना है। और सदियों से, अंग्रेजी बाइबलों में भी, उस सिद्धांत को लागू करना, ताकि बाइबल को लोगों की भाषा में रखा जा सके, लेकिन उन मूल दस्तावेजों से इतना दूर न हो जिनसे बाइबल का अनुवाद किया जा रहा है कि अर्थ किसी भी तरह से विकृत हो जाए। वास्तव में, अनुवाद कभी-कभी मोटा हो सकता है, और इससे हमारा मतलब है कि यह औपचारिक तुल्यता में स्व-व्याख्यात्मक नहीं हो सकता है।

किंग जेम्स बाइबल का उपयोग करने का एक फ़ायदा यह है कि यह आपको लोगों को समझाने के लिए NIV जैसी किसी चीज़ की तुलना में बहुत ज़्यादा जानकारी देता है। क्योंकि अनुवाद जितना ज़्यादा औपचारिक होगा, आपको लोगों को उसका मतलब समझने में उतनी ही ज़्यादा मदद करनी होगी। और हम NIV के बारे में थोड़ी देर में इस बारे में थोड़ा और बात करेंगे।

इसलिए, हमारे पास औपचारिक तुल्यता है जो यथासंभव शाब्दिक है, और जितनी आवश्यक है उतनी स्वतंत्र है। इसे लोगों की भाषा में शामिल करें, लेकिन आप उन्हें पूरी तरह से समायोजित नहीं कर रहे हैं, इस अर्थ में कि आप उस अनुवाद को उनके लिए अर्थपूर्ण बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें इसे स्वयं ही हल करना होगा।

उन्हें अपनी बाइबल पढ़ने के लिए कुछ अध्ययन करना होगा। और उनमें से किसी भी बाइबल के लिए इसकी आवश्यकता होगी। गतिशील तुल्यता, या कार्यात्मक तुल्यता, वह है जिसे आजकल बहुत सारे अध्ययनों में कहा जाता है।

इसके दो उदाहरण विशेष रूप से NIV और फिर न्यू लिविंग ट्रांसलेशन हैं जिसे हम NLT कहते हैं। हमने न्यू लिविंग ट्रांसलेशन के परिचय से उद्धरण पढ़ा है, जिसमें कहा गया है कि एक गतिशील तुल्यता अनुवाद के लिए यह आवश्यक है कि पाठ की सटीक व्याख्या की जाए और फिर उसे समझने योग्य मुहावरे में प्रस्तुत किया जाए। तो यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात है।

गतिशील समतुल्य या कार्यात्मक समतुल्यता अनुवाद प्रक्रिया में अनुवादक से बहुत कुछ अपेक्षित होता है। अनुवादक का काम सिर्फ़ यह नहीं है कि वह यथासंभव शाब्दिक अनुवाद करे और फिर भी उसे पठनीय बनाए। अनुवादक का काम पाठक को उस पाठ के बिंदु को समझने में मदद करने की कोशिश करना है।

अनुवाद के उस दर्शन के परिणामस्वरूप, मैं अक्सर NIV या NLT को व्याख्यात्मक अनुवाद के रूप में संदर्भित करता हूँ। और मैं इन नोट्स के पीछे दिए गए चार्ट से इसका अर्थ समझाऊँगा। एक व्याख्यात्मक अनुवाद।

अब, इससे कुछ लाल झंडे उठने चाहिए। ऐसा नहीं है कि वे खराब अनुवाद हैं। बात यह है कि अनुवादक पाठ के अर्थ के बारे में अधिक निर्णय ले रहा है क्योंकि वे उस पाठ को पढ़ने योग्य रूप में प्रस्तुत करते हैं, औपचारिक समकक्ष अनुवादों की तुलना में। अब, दिन के अंत में इसका एक बड़ा फायदा है, जैसा कि मैं आपको आगे बढ़ने के साथ समझाने की कोशिश करूँगा।

लेकिन आपको इस बारे में जागरूक होने की ज़रूरत है। बाइबल का अनुवाद करने का सिद्धांत क्या है जिसका आप इस्तेमाल करते हैं? क्या आप औपचारिक समकक्ष अनुवाद का इस्तेमाल करते हैं या आप कार्यात्मक या गतिशील समकक्ष अनुवाद का इस्तेमाल करते हैं? और इसका क्या मतलब है? अब मैं यहाँ कुछ कहना चाहूँगा क्योंकि इसे कहा जाना ज़रूरी है। हम इस पर आँगे लेकिन मुझे इसे अभी कहना है।

चुनौती सिर्फ पढ़ने के लिए बाइबल ढूँढ़ने की नहीं है। चुनौती यह है कि आपके पास जितनी भी बाइबलें हैं, उनका इस्तेमाल करें, लेकिन यह भी समझें कि वे किस तरह की बाइबलें हैं। वे अनुवाद कैसे करते हैं? मैं उनसे क्या उम्मीद कर सकता हूँ या मैं उनसे क्या माँग सकता हूँ? और जब मैं कोई आयत पढ़ता हूँ तो मुझे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए कि कहीं अनुवादक ने मेरी मदद करने के लिए कुछ ऐसा तो नहीं कह दिया है, लेकिन हो सकता है कि दिन के आखिर में हम उस पर सहमत न हों?

अब, मैं इसे एक पल में चार्ट से सबसे अच्छे तरीके से समझा सकता हूँ, लेकिन यह एक बड़ा मुद्दा है, है न? और अगर आप अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया में हैं और इन दिनों मौजूद अंग्रेजी बाइबलों की इस बड़ी श्रृंखला से निपट रहे हैं, तो आपको इसके बारे में पता होना चाहिए। अगर आप एक मंत्रालय पेशेवर हैं और मैं उस शब्द पेशेवर का इस्तेमाल जानबूझकर करता हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि मंत्रालय के लोगों को काम करना चाहिए और शिक्षित होना चाहिए और लोगों की मदद करने के लिए एक पेशेवर स्तर तक पहुँचना चाहिए। किसी ने एक किताब लिखी जिसमें कहा गया था कि भाइयों, हम पेशेवर नहीं हैं।

मुझे यह शीर्षक पसंद नहीं है। हम हैं। हमें पता होना चाहिए कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं।

हमें लोगों को अपनी बाइबलों को समझाने और उन्हें समझने में मदद करने में सक्षम होना चाहिए। अन्यथा, आपके सामने एक समस्या खड़ी हो जाएगी। जब कोई आपके दफ़्तर में आपकी बाइबल से अलग बाइबल लेकर आता है और शायद एक बहुत ही अलग बाइबल, किसी तरह की संक्षिप्त बाइबल लेकर आता है, और वे अपने जीवन को इस बात पर आधारित करते हैं कि उस आयत का अनुवाद कैसे किया गया है, और आपको उन्हें यह समझाना होगा कि यह वास्तव में एक अच्छा अनुवाद नहीं है।

विभिन्न अनुवादों से निपटने की यही चुनौती है। अब, आपके पास कार्यात्मक, गतिशील, औपचारिक है। इन्हें सीधा रखें और अपनी सूची जानें।

मैंने आपको यहाँ एक सूची दी है, लेकिन निश्चित रूप से, आपको और भी कुछ प्राप्त करना होगा, और आप इसे उस साहित्य से प्राप्त कर सकते हैं जिसका मैं बाद में आपके लिए हवाला दूँगा। अनुवाद के लिए एक और प्रक्रिया है, और उस प्रक्रिया को पैराफ्रेज़िंग या एम्पलीफ़ाइंग कहा जाता है। वास्तव में, यह उससे भी बदतर है।

बाजार में मीडिया हस्तियों, यहां तक कि पादरी मीडिया हस्तियों द्वारा लिखी गई बाइबलें भी हैं, जो अनुवाद नहीं हैं। वह व्यक्ति जो किताबें बेचता है, क्योंकि उसका नाम जाना जाता है, आपको वह अंग्रेजी बाइबल देता है जिसे वह पढ़ रहा है। इसलिए, यह बिल्कुल भी अनुवाद नहीं है।

यह किसी भी ऐसी चीज़ के मामले में चार्ट से बहुत अलग हो सकता है जिसे आपको पढ़ना चाहिए और जो आपके जीवन का मार्गदर्शन करे। यह बिकता है, हाँ, लेकिन यह एक अच्छा विचार नहीं है। पैराफ्रेज़िंग की कुछ उपयोगिता हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि आप इसके बिना अपना जीवन जी सकते हैं।

एम्पलीफ़ाइड बाइबल, जिसे आप अब बहुत कम देखते हैं, उसने जो किया वह यह था कि उसने एक आयत के अनुवाद में सभी तरह के समानार्थक शब्दों का इस्तेमाल करके उसे बढ़ाया, पाठक को पहचानने के लिए कुछ देने की कोशिश करने के लिए बहुत सारे शब्दों का इस्तेमाल किया। यह ठीक है। लेकिन शब्दों का संदर्भ में अर्थ होता है और हर शब्द का किसी दिए गए संदर्भ में जरूरी नहीं कि एक ही अर्थ हो।

इसलिए, व्यक्तिगत रूप से, मैं कहता हूँ कि कुछ कार्यात्मक अनुवादों की पहचान करें, और मुझे कुछ औपचारिक अनुवादों की पहचान करके इसका समर्थन करने दें। शायद आप संशोधित मानक संस्करण और किसी अन्य का उपयोग करेंगे, जैसे कि ESV या किंग जेम्स या कुछ और। वे औपचारिक समतुल्यता हैं।

और फिर कुछ गतिशील अनुवादों की पहचान करें। मैं सुझाव दूँगा कि सुरक्षित रहने के लिए, NIV और NLT या न्यू लिविंग ट्रांसलेशन का उपयोग करें। अब आप देख सकते हैं कि आपके पास किस तरह का एक सातत्य है।

आपके पास एक निरंतरता है जो यथासंभव शाब्दिक से लेकर व्याख्यात्मक अनुवाद तक चलती है। आप उस निरंतरता पर छंदों की तुलना कर सकते हैं, जिन्हें पढ़ना मुश्किल हो सकता है क्योंकि वे यथासंभव शाब्दिक हैं। अचानक, मैं इसे समझ गया, लेकिन आप क्या समझते हैं? मैं इसे चार्ट में आपको समझाने की कोशिश करूँगा। तो, कुछ सिफारिशें।

यह शायद मेरी कही गई बातों से थोड़ा दोहराव वाला हो, लेकिन मैं इसे फिर भी कहना चाहता हूँ। सबसे पहले, जब आप बाइबल चुन रहे हों, तो एक बात जो मैंने नहीं बताई है, जिस पर मैं वास्तव में ज़ोर देना चाहता हूँ, वह है कि आपको पैराग्राफ़ फ़ॉर्मेट वाली बाइबल चुननी चाहिए। आपको ऐसी बाइबल चुननी चाहिए जो कविता को कविता के रूप में प्रस्तुत करे, जैसे कि भजन संहिता की पुस्तक, नीतिवचन की पुस्तक और बाइबल में अन्य स्थान जहाँ कविता है।

आप एक ऐसी बाइबल का उपयोग करना चाहते हैं जो उस आधुनिक पहलू को लागू करती हो; यह इतनी आधुनिक नहीं है; यह 1800 के दशक में वापस जाती है, और एक पैराग्राफ महत्वपूर्ण है। मैं परिचय पर एक और व्याख्यान भी दे सकता हूँ। मैं अपनी पसंद की सभी चीजों को यहाँ 1 कुरिन्थियों में नहीं रख सकता, लेकिन जब मैं हेर्मेनेयुटिक्स या बाइबल की व्याख्या पढ़ता हूँ, तो मैं पैराग्राफ के बारे में बात करता हूँ और 1901 के अमेरिकन स्टैंडर्ड वर्जन जैसे बड़े पैराग्राफ का उपयोग करता हूँ, जिसमें दुनिया के सबसे अच्छे पैराग्राफ हैं क्योंकि यह किंग्स इंग्लिश की महानता के समय में तैयार किया गया था।

और उन्होंने पैराग्राफ को वैसे ही रहने दिया। दूसरे शब्दों में, पैराग्राफ को विचार की एक इकाई माना जाता है। और उन्होंने विचार की पूरी इकाई को बनाए रखने की कोशिश की।

फिर आप आधुनिक युग में आते हैं, जहाँ आपके पास एक NIV है जो पैराग्राफ का उपयोग करता है। लेकिन उनके सिद्धांत के अनुसार, लोगों का ध्यान लंबे पैराग्राफ के लिए बहुत कम है, इसलिए हम उन्हें छोटे पैराग्राफ में तोड़ देंगे। अब, आप क्या करने जा रहे हैं? विचार की इकाई कहाँ है? मैं छात्रों को सिखाऊंगा कि 1901 ASV अच्छी तरह से पैराग्राफ वाली बाइबल कैसे लें।

और यह प्रिंट में होना चाहिए। आप कम्प्यूटरीकृत संस्करण का उपयोग नहीं कर सकते क्योंकि वे इसे गड़बड़ कर देते हैं। लेकिन बड़े पैराग्राफ के साथ एक प्रिंट अमेरिकन स्टैंडर्ड 1901 अनुवाद।

फिर, आप एक NIV लें जिसमें छोटे पैराग्राफ का इस्तेमाल किया गया है। और मान लें कि ASV में 10 आयतें हैं, और NIV में 1 से 3, 4 से 6, 7 से 10 हैं। ठीक है, आपको क्या मिला? ASV में एक बड़ा विचार 10 आयतें हैं।

एनआईवी के ब्रेकआउट पैराग्राफ में बड़े विचार के तीन ब्रेकआउट। अब आप बड़े पैराग्राफ की थीम को बनाए रख रहे हैं, एक बड़ा, लेकिन आप इसके तीन पहलू देख रहे हैं। इसलिए, जब आप बाइबल से निपट रहे हों तो पैराग्राफ विश्लेषण एक बेहद महत्वपूर्ण चीज है।

लेकिन इस समय मैं इसके बारे में इतना ही कह सकता हूँ। लेकिन एक पैराग्राफ वाली बाइबल रखिए। ऐसी बाइबल रखिए जो अपने अनुवाद को साहित्यिक शैली में प्रस्तुत करे।

अगर यह कविता है, तो मैं कविता देखना चाहता हूँ। अगर यह कथा है, तो मैं कथा देखना चाहता हूँ। मैं पैराग्राफ देखना चाहता हूँ।

ठीक है? तो, जब आप उन्हें चुनते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप उन्हें उसी तरह से चुनें। कृपया अनुवादों में लिंग समावेशिता या गैर-समावेशीपन के बारे में आधुनिक विवादों में न उलझे। मैं आपको जिन संस्करणों का उल्लेख कर रहा हूँ, किंग जेम्स, NRSV, पुराना संस्करण और RSV, वास्तव में लिंग के प्रति संवेदनशील नहीं थे।

कुछ विद्वानों के अनुसार, नया RSV लिंग के प्रति बहुत संवेदनशील है। इसलिए, मैं NRSV के पहले संस्करण का उपयोग करना पसंद करता हूँ, जिसके साथ बहुत अधिक छेड़छाड़ नहीं की गई है। लेकिन फिर आप NIV और NLT पर जाते हैं जो लिंग के प्रति बहुत संवेदनशील है।

99% से 99% समय, यह वास्तव में कोई मायने नहीं रखता। उदाहरण के लिए, यदि आप किंग जेम्स से उदाहरण लेते हैं और आपको ओलिवेट प्रवचन में ऊपरी कमरे में दृष्टांत मिलता है, तो किंग जेम्स कहेंगे कि दो आदमी होंगे, जो कुछ कर रहे हैं। और एक को ले लिया जाएगा, और एक को छोड़ दिया जाएगा।

या फिर एक बिस्तर पर दो आदमी हैं, और एक को ले जाया गया है, और एक को छोड़ दिया गया है। आपको NIV जैसा अधिक आधुनिक संस्करण मिलेगा, इसमें दो पुरुषों के बजाय दो लोग लिखे होंगे। मूल रूप से, ग्रीक का अर्थ संभवतः लोग था क्योंकि इसमें पुरुषों के लिए सामान्य शब्द का उपयोग किया गया था, और पुरुष प्रमुख भाषा थी।

साहित्यिक भाषा के संदर्भ में हर बात पुरुष दृष्टिकोण से कही गई थी। और इसलिए, इसका मतलब सिर्फ पुरुषों से नहीं था। इसका मतलब था दो लोग।

उदाहरण के लिए, प्रकाशितवाक्य में, यदि कोई पुरुष दरवाज़ा खटखटाए, तो मैं उसके पास आऊँगी और उसके साथ संगति करूँगी। क्या इसका मतलब यह है कि महिलाएँ दरवाज़ा नहीं खटखटा सकतीं? नहीं, इसका मतलब है कि यदि कोई व्यक्ति। इसलिए, लिंग समावेशिता के बारे में बहुत सी बातें हैं जो अनुवाद में बहुत महत्वपूर्ण हैं।

कार्यात्मक अनुवाद और गतिशील समकक्ष अनुवाद आपके लिए इस काम को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। तो, आप देख सकते हैं कि अनुवाद की प्रकृति के बारे में बात करते समय हम कितने छोटे-छोटे खरगोशों का पीछा कर सकते हैं। लेकिन बड़ा विचार क्या है? यह है।

आपको औपचारिक अनुवाद, जितना संभव हो उतना शाब्दिक, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र, और गतिशील या कार्यात्मक अनुवाद, जो किसी अर्थ में व्याख्यात्मक अनुवाद है, चाहे वह कितना भी छोटा हो या कभी-कभी बहुत बड़ा हो, के बीच अंतर जानने की आवश्यकता है। ठीक है। इसलिए अपने अनुवादों पर ध्यान दें।

मैं यहाँ नाम नहीं बताने जा रहा हूँ, लेकिन आज भी कुछ औपचारिक अनुवाद छोटे समूहों द्वारा किए जाते हैं, जिनका कुछ एजेंडा होता है। और अगर आपको पता है कि यह क्या है और आप इसे ढूँढ़ते हैं तो आप इसे पा सकते हैं। ठीक है।

इसलिए, ऐसे बाइबल चुनें जिनमें पैराग्राफ़ फ़ॉर्मेट हो, विशेष रुचि के मुद्दों से सावधान रहें और इस बारे में दावे करने वाले लोगों से अभिभूत न हों। यह आपकी अपनी समझ है।

दूसरे, तुलना के लिए कई बाइबल चुनें। हम ऐसे युग में नहीं जी रहे हैं जहाँ सिर्फ बाइबल है। आपके पास ये विभिन्न अंग्रेज़ी अनुवाद हैं। जैसा कि मैंने पहले ही उल्लेख किया है, लगभग चार चुनें, बहुत औपचारिक, बहुत कार्यात्मक, और उनके साथ काम करें।

और मैं आपको कुछ ही देर में ऐसा करने का तरीका दिखाऊंगा। उनमें से कई चुनें और बाइबल का अध्ययन करते समय सावधान रहें। कृपया स्टडी बाइबल के साथ सावधान रहें।

अध्ययन बाइबल का उद्देश्य आपकी मदद करना है। वे बहुत मदद कर सकते हैं। लेकिन साथ ही, वे पाठ को उस तरह से प्रस्तुत करेंगे जैसा वे चाहते हैं।

वे पाठ में रूपरेखा डालते हैं। मुझे एक साफ-सुथरी बाइबल और पैराग्राफ चाहिए। इसे अकेला छोड़ दो।

मैं यह तय करूंगा कि इसे कैसे संरचित किया जाए और इसके साथ क्या किया जाए। आप स्टडी बाइबल का इस्तेमाल उसी तरह कर सकते हैं जैसे आप कमेंट्री का इस्तेमाल करते हैं। इसे अपने छोटे भगवान न बनने दें।

लेकिन इसका उपयोग संरचना को देखने, नोट्स में दिखाई देने वाले मुद्दों के बारे में विचार प्राप्त करने आदि के लिए करें। लेकिन इसे बैंक में न ले जाएँ, और यही एकमात्र तरीका है जिससे आप इसे देख पाएँगे। स्वच्छ बाइबल।

बाइबल का अध्ययन करें और उन्हें टिप्पणियों की तरह इस्तेमाल करें। अब हर चीज़ के लिए एक अध्ययन बाइबल उपलब्ध है। और मैं आपको उन सभी विभिन्न प्रकारों से बोर नहीं करने जा रहा हूँ जो हम आम ईसाई स्टोर में जाते समय देखते हैं। और मैंने इसे ईसाई पुस्तक स्टोर के बजाय ईसाई स्टोर कहा है, एक कारण से।

चौथा, बाइबल के विस्तृत रूप से व्याख्या किए जाने वाले प्रकारों से बचें। एक ठोस बाइबल विद्यार्थी बनें, न कि एक मोटा बाइबल विद्यार्थी।

अंत में, बाइबल के विद्यार्थी बनें। बाइबल सिर्फ पढ़ने के लिए नहीं है; इसका अध्ययन किया जाना चाहिए। वास्तव में, अगर हम एक-एक करके बैठें और हम बाइबल पढ़ रहे हों, और मैं आपसे पूछूँ कि इसका क्या मतलब है, तो आप मुझे किस तरह का जवाब देंगे? आप मुझे इनमें से एक जवाब दे सकते हैं कि यह मेरे लिए क्या मायने रखता है, और मैं आपको वहीं रोक दूंगा और कहूंगा कि मुझे वास्तव में परवाह नहीं है कि यह आपके लिए क्या मायने रखता है। मुझे परवाह है कि इसका क्या मतलब है ताकि मैं जान सकूँ कि इसका आपके और मेरे लिए क्या मतलब है या क्या होना चाहिए।

हमें शास्त्रों को शास्त्रों के लिए पढ़ना है, न कि शास्त्रों के अपने निजी इस्तेमाल के लिए। और यह इतनी जल्दी हो जाता है। यहां तक कि अनुशासित दुभाषिए भी और मैं एक अनुशासित दुभाषिया हूँ, लेकिन मैं खुद को सूची में सबसे ऊपर रखूंगा।

हम कई मौकों पर अपने विचारों को पाठ में पढ़ लेते हैं। हम ऐसा न करने की कोशिश करते हैं। हम इससे निपटने और खुद को इससे दूर रखने के लिए कई तरह के स्रोतों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह बहुत आसान है।

इसलिए बाइबल के पाठक बनें, लेकिन सावधान रहें। गॉर्डन फी ने एक बार एक पेशेवर बैठक में एक गीत गाया था जो मुझे प्यारा लगा। बाइबल में अद्भुत बातें हैं। मैंने देखा कि आपने कुछ ऐसी बातें लिखी हैं जो धुन से बाहर थीं। क्षमा करें, लेकिन आपने बात समझ ली।

हमारे पास पवित्रशास्त्र में अपनी खुद की सामग्री पढ़ने का एक तरीका है। ऐसा न करने का एकमात्र तरीका पवित्रशास्त्र के अध्ययन में अनुशासित होना है। अब, मैं यहाँ बाइबल का इतिहास पढ़ने की सलाह देता हूँ। चार्ट बनाने से पहले मैं यह ग्रंथसूची बनाऊँगा।

मैं यह सब नहीं बताने जा रहा हूँ। मैंने इसे बहुत सीमित रखा है ताकि आप कुछ ढूँढ सकें, लेकिन मैं आपको भ्रमित नहीं करने जा रहा हूँ। मैं कुछ पुस्तकों पर ज़ोर देने जा रहा हूँ। ब्रूस मेटज़गर द बाइबल इन ट्रांसलेशन एनशिप्ट एंड इंग्लिश वर्शन्स यह अब बहुत पुरानी किताब है, लेकिन यह बहुत अच्छी किताब है, और यह इतनी पुरानी भी नहीं है कि इसमें उन सभी बाइबलों को शामिल न किया जाए जो आम तौर पर आपके लिए उपलब्ध हैं।

अगला है स्ट्रॉस मार्क स्ट्रॉस डिस्टॉर्टिंग स्क्रिपचर: द चैलेंज ऑफ बाइबल ट्रांसलेशन एंड जेंडर। मार्क ने अच्छा काम किया है। वह डायनेमिक शब्द और फंक्शनल शब्द के इस्तेमाल के बीच के बदलाव में मदद करता है। तो ये इस सब में कुछ हाइलाइट्स हैं, लेकिन आप अंग्रेजी बाइबल के बारे में सीखना अपने लिए एक शौक बना सकते हैं। आप जानते हैं, चाहे आप एक छात्र हों और 40 घंटे की नौकरी कर रहे हों या फिर आप एक मंत्रालय पेशेवर हों, आप एक पादरी हैं, आप एक मिशनरी हैं, और आपके पास अध्ययन करने के लिए कुछ समय है, जिसे मैं एक शौक अध्ययन कहूँगा।

आपके पास धर्मोपदेश अध्ययन है, आपके पास रविवार स्कूल अध्ययन है, आपको बाइबल पुस्तक अध्ययन में रुचि है, लेकिन क्या आपके पास कोई शौक अध्ययन है? किसी ऐतिहासिक चीज़ को शौक अध्ययन बना लें। हो सकता है कि आप बाइबल के इतिहास के छात्र हो सकते हैं। यहाँ एक पठन सूची है जिसे आप अपना सकते हैं और यह आपको बहुत कुछ देगी यदि आप इस सूची में बताई गई सभी चीज़ों का अनुसरण करते हैं।

इतिहास, रोमन इतिहास का छात्र होना या ग्रीक दुनिया का छात्र होना जैसे कई अन्य शौक हैं, लेकिन अगर आप न्यू टेस्टामेंट का अध्ययन करने जा रहे हैं तो आपको रोमन दुनिया का अध्ययन करना होगा। आपको छोटे-छोटे बॉक्स पढ़ने होंगे और बड़ी श्रेणियों में सोचना होगा। अब, मैं अंग्रेजी बाइबिल संस्करणों और अनुवाद प्रक्रियाओं को समझता हूँ।

हमने अनुवाद के सिद्धांत दर्शन, औपचारिक और कार्यात्मक, औपचारिक और गतिशील की दो बड़ी श्रेणियों के बारे में बात की है, लेकिन जब आप इसे विस्तार से देखेंगे तो यह कैसा दिखेगा? यहाँ मैंने आपको कुछ चार्ट दिए हैं जो ब्लैकबोर्ड पर आपसे बात करेंगे। पेज 5 पर पहला चार्ट है, और पेज 6 पर इतने सारे बाइबल, इतने कम समय पर नोट्स के पैकेट में दूसरा चार्ट है। अब, आप देखेंगे कि मैंने 8.5 x 11 पेज को लैंडस्केप किया है ताकि मैं यहाँ कुछ संस्करण प्राप्त कर सकूँ।

यह पेज काफी बड़ा नहीं है। कानूनी आकार काफी बड़ा नहीं होगा, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप ऐसा करने में शामिल प्रतिमान देखें। आप औपचारिक से गतिशील के परिणामों को दर्शाने वाले चार्ट को देखेंगे।

उदाहरण के लिए, मैं आपको चार्ट दिखाऊंगा। आप देखेंगे कि हमने बाईं ओर औपचारिक से शुरुआत की है। मैं बाईं ओर कार्यात्मक या गतिशील से दाईं ओर हूँ। यह बहुत महत्वपूर्ण है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है? क्योंकि आप जितना संभव हो उतना स्वतंत्र, जितना संभव हो उतना शाब्दिक, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र, जितना संभव हो उतना शाब्दिक इस तरफ से शुरू करना चाहते हैं। इस तरफ व्याख्यात्मक अनुवाद है। मैं इस चार्ट पर जितना आगे बढ़ूंगा उतना ही मैं व्याख्यात्मक अनुवाद में शामिल होता जाऊंगा।

आइए देखें कि यह कैसे काम करता है। यह पहला पेज दूसरे पेज की तुलना में थोड़ा सा नीरस है। चलिए बस इसे समझते हैं।

यूहन्ना 3:16 इस अंश के बारे में कोई मुद्दा नहीं होना चाहिए। क्या यह ईसाइयों के लिए सबसे परिचित अंशों में से एक नहीं है? यह ईसाइयों के लिए है। यह दुनिया के लिए नहीं है।

दुनिया के ज्यादातर लोगों के लिए सबसे ज्यादा परिचित मार्ग प्रभु की प्रार्थना या 1 कुरिन्थियों 13 है, न कि यूहन्ना 3:16। यह किंग जेम्स की क्लासिक धार्मिक भाषा है। उसने अपना इकलौता बेटा दे दिया। आइए हम उस भाषा से प्यार करें।

फिर हमने संशोधित मानक संस्करण, NRSV पढ़ा। क्योंकि परमेश्वर ने जगत से इतना प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया। मेरा जन्म अमेरिका के इंडियाना राज्य में इंडियाना में हुआ था।

मैं 60 के दशक में नॉरफ़ॉक, वर्जीनिया से नौसेना में गया था। मैंने अपना बहुत सारा समय दक्षिण में बिताया। मुझे दक्षिण पसंद है।

मुझे दक्षिणी संस्कृति और ऐसी ही अन्य चीजें पसंद हैं। मैं इसे इस तरह से समझता हूँ। जब आप केवल जन्मा पुत्र पढ़ते हैं, तो आप केवल पुत्र पढ़ते हैं, कोई याहू आकर कहेगा कि NRSV ने जन्मा शब्द को हटाकर बाइबल को बदल दिया है, और वे मसीह के ईश्वरत्व को कमतर आंकने की कोशिश कर रहे हैं।

खैर, अगर कभी कोई आपसे ऐसा कहता है, तो बस मुस्कराइए और आगे बढ़ जाइए क्योंकि उन्होंने तुरंत कबूल कर लिया है कि उन्हें बाइबल के बारे में कुछ भी पता नहीं है क्योंकि मोनोजीनेस इकलौते पैदा हुए शब्द के पीछे ग्रीक शब्द है। लेकिन इसका क्या मतलब है? खैर, इसका संबंध इस तथ्य से है कि इस शब्द का इस्तेमाल इसहाक के जन्म की कहानी में किया गया था। आप जानते हैं, वह बहुत अनोखा था।

वह इकलौता पुत्र था। इसका उपयोग नाईन में विधवा के बेटे के लिए किया जाता था, जिसे पुनर्जीवित किया गया था। वह उसका इकलौता पुत्र था।

वही शब्द। मोनोजीनेस। यह ऐसा शब्द नहीं है जो आपको देवता के बारे में बताने की कोशिश कर रहा है।

यह एक ऐसा शब्द है जो आपको यह बताने की कोशिश कर रहा है कि वह अद्वितीय है। यह कोई ऑन्टोलॉजिकल शब्द नहीं है। यह एक कार्यात्मक शब्द है।

और इसलिए, वह इकलौता बेटा है। मैं इसे उतने ही जोर से कह सकता हूँ जितना कि इकलौता बेटा कहना। वास्तव में, धर्मशास्त्र के इतिहास में जन्मा शब्द आपको पीढ़ी के मुद्दे के संदर्भ में परेशानी में डाल सकता है।

उसी कॉलम में NIV को देखें। क्योंकि परमेश्वर ने जगत से इतना प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया। अब देखिए उन्होंने क्या किया।

वे जन्मा से भटक गए, लेकिन केवल कहने के बजाय, जो कि करना आसान था, उन्होंने एक और केवल कहा। क्यों? शायद इसलिए क्योंकि एनआईवी अनुवादक इस मार्ग की संवेदनशीलता के अनुरूप थे कि यीशु अद्वितीय है। और न्यू लिविंग ट्रांसलेशन में केवल केवल पुत्र लिखा है, संशोधित मानक संस्करण की तरह।

तो, आप देखिए, आपके पास यहाँ चार बाइबल हैं, और आपके पास तीन अलग-अलग रीडिंग हैं। इकलौता बेटा, इकलौता बेटा, एक और इकलौता बेटा। ठीक है, बाइबल कहाँ है? यह उन सभी में है।

यह अनुवाद है। लेकिन केवल एक ही अनुवाद वास्तव में बात को स्पष्ट करता है। एनआईवी ने यहाँ अच्छा काम किया है।

अब आप देखेंगे, और मुझे यह बताना चाहिए, मेरे चार्ट में, NIV कॉलम की मुद्रित बाइबल 1978 की बाइबल है। इसे 2011 में संशोधित किया गया था, और मैंने चार्ट में कोई दूसरा कॉलम नहीं जोड़ा है। और मैं वास्तव में 78 से अपने विश्लेषण को बदलना नहीं चाहता, क्योंकि 1978 NIV ने मुझे आपको कुछ दिलचस्प चीजें दिखाने के लिए बहुत कुछ दिया है।

और सबसे दिलचस्प बात यह थी कि 2011 में इसे संशोधित किया गया क्योंकि लोगों ने कहा कि यह अच्छा नहीं था, और उन्होंने इसे बदल दिया। नए NIV 2011 ने कुछ ऐसी चीजों को हटाने का अच्छा काम किया जो बहुत ज़्यादा व्याख्यात्मक या बहुत ज़्यादा व्यक्तिगत व्याख्यात्मक थीं। लेकिन यहाँ, यह बिल्कुल वैसा ही है।

एकमात्र और केवल। एकमात्र और केवल बिल्कुल एक ही है। और आप इसे बाइबल में यह कहकर दिखा सकते हैं कि इसहाक एकमात्र और एकमात्र था, और नाईन के बेटे की विधवा एकमात्र और एकमात्र थी, और यीशु एकमात्र और एकमात्र है।

इसका मतलब यह नहीं है कि वे सभी एक जैसे हैं। इसका मतलब सिर्फ़ इतना है कि वे सभी किसी ऐतिहासिक मुद्दे के लिए अपने-अपने तरीके से अद्वितीय हैं। प्रेरितों के काम 26:28 मेरे नोट्स में अगला उदाहरण है।

वाह, मैंने इस पर उपदेश सुने हैं। वास्तव में, मुझे यकीन है कि अपने जीवन के किसी मोड़ पर, मैं इस पर बाइबल का उपयोग करूँगा। यहाँ किंग जेम्स है।

हमारे पास पॉल है, जो एक रोमन अधिकारी से बातचीत कर रहा है। पॉल को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह उस समय की स्थिति में है जब उसे वापस रोम ले जाया जा रहा है।

और वह इस अधिकारी के सामने खड़ा होता है और उसे उपदेश देते हुए कहता है, अग्रिप्पा, ठीक है, पौलुस ने पहले ही यह कह दिया था, लेकिन अग्रिप्पा ने पौलुस को जवाब दिया और यह कहा। अग्रिप्पा ने जो कहा, वह यहाँ है। तुम मुझे लगभग ईसाई बनने के लिए राजी कर रहे हो।

अब, आप जानते हैं, मैं एक उपदेशक के साथ-साथ एक शिक्षक भी हूँ। मैं यहाँ वास्तव में उपदेश दे सकता हूँ। लगभग।

मेरा मतलब है, यहाँ भावनाएँ लाओ। तुम मुझे लगभग ईसाई बनने के लिए राजी कर रहे हो। और वैसे, मैं इसे शब्दों में व्यक्त कर रहा हूँ, और अपने मुखर जोर के साथ, मैं आपको यह सोचने के लिए प्रेरित कर रहा हूँ कि अग्रिप्पा बस फर्श पर गिरने वाला है और पॉल के पैरों पर गिड़गिड़ाने वाला है।

वह इतना प्रभावित है। ठीक है। आइए NRSV अनुवाद देखें।

अग्रिप्पा ने पौलुस से कहा, " क्या तुम मुझे ईसाई बनने के लिए इतनी जल्दी मना रहे हो? वाह। यह तो अलग ही अनुभव है। तुम तो मुझे ईसाई बनने के लिए राजी ही कर रहे हो। "

मैं आपके पैरों पर गिर जाऊँगा। क्या आपको लगता है कि इस संक्षिप्त उपदेश से आप मुझे ईसाई बना सकते हैं? क्या आप इन दोनों के बीच अंतर देखते हैं? मैं कोशिश कर रहा हूँ, और शायद मैं थोड़ा ज़्यादा ज़ोर दे रहा हूँ। मैं किसी भी अनुवाद के प्रति अनादर दिखाने की कोशिश कर रहा हूँ।

मैं बस आपको यह दिखाने की कोशिश कर रहा हूँ कि एक बाइबल से ज़्यादा समझदार होना ज़रूरी है। आपको कई सारे अनुवादों के बारे में सोचना चाहिए जो आपको यह समझने में मदद कर सकते हैं कि क्या हो रहा है। अब, दिलचस्प बात यह है कि आइए दूसरे दो पर नज़र डालें, और फिर मैं एक टिप्पणी करूँगा।

फिर अग्रिप्पा ने NIV के तीसरे कॉलम में पॉल से कहा, क्या आपको लगता है कि इतने कम समय में आप मुझे ईसाई बनने के लिए राजी कर सकते हैं? व्यंग्य सुनें? यह व्यंग्य NRSV में है। यह सामान्य अनुवाद नहीं है। आप देखिए, किंग जेम्स जितना संभव हो उतना शाब्दिक है।

यह आपको इस बारे में कोई संकेत नहीं देता कि आपको इसे कैसे लेना चाहिए। NRSV, जो अभी भी एक औपचारिक समकक्ष है, ने आपको एक संकेत दिया। NIV ने आपको एक मजबूत संकेत दिया।

और मैं इसके बारे में थोड़ी देर में बात करूँगा। लेकिन आप अंतर देख और महसूस कर सकते हैं। इसलिए, अगर कोई आपके पास आता है और किंग जेम्स से प्रेरितों के काम 26:28 का उपयोग करता है और आपसे सवाल पूछता है, उपदेशक, मैं बस विश्वास नहीं कर सकता कि अग्रिप्पा, शायद वे इसे इस तरह से पूछेंगे, निश्चित रूप से, पादरी, अग्रिप्पा एक ईसाई बन गया।

देखिए वह यहाँ क्या कहता है। अब, आप क्या करने जा रहे हैं? नंबर एक, एक पादरी वह सब कुछ करता है जो वह कभी भी किसी व्यक्ति के हाथ में मौजूद बाइबल को छीनने के लिए नहीं कर सकता। आप उस बिंदु पर KJV का अनादर और अपमान नहीं करना चाहते।

आप इसे समझाना चाहते हैं। और मैं सुझाव दूँगा कि यदि आप पादरी हैं, तो आप लोगों को अनुवाद की प्रकृति सिखाना शुरू करें ताकि जब यह हो तो इसे समझाना बहुत मुश्किल न हो। आगे बढ़ें।

इसे अपने से आगे न बढ़ने दें। और इसलिए यहाँ, पादरी के रूप में, यदि आपने उस व्यक्ति को अनुवाद की प्रकृति के बारे में शिक्षित नहीं किया है, तो आप मुश्किल में पड़ जाएँगे। आपको यह अभी करना होगा।

लेकिन यह थोड़ा ज़्यादा डराने वाला होगा, और हो सकता है कि आपके पास इसे ठीक से करने के लिए जगह न हो। हो सकता है कि आपको इस व्यक्ति से कोई वास्तविक समस्या हो। हो सकता है कि वे आपसे नाराज़ हो जाएँ, या वे हतोत्साहित हो जाएँ।

उन्हें क्या करना है? खैर, हमें इन बातों को समझाना होगा। न्यू लिविंग ट्रांसलेशन को देखिए। क्या आपको लगता है कि आप मुझे इतनी जल्दी ईसाई बना सकते हैं? तो, आपके पास चार में से तीन गवाहियाँ हैं कि यह अंश व्यंग्य के दायरे में ज़्यादा है, न कि राजी होने के दायरे में।

और अगर आप ऐसी जगह पर हैं जहाँ आप किंग जेम्स वर्शन से प्रचार करते हैं तो यह आपके लिए सुरक्षित विकल्प होगा। और शायद आप ऐसी जगह पर भी हों जहाँ लोग इस बात पर बहुत अड़े हुए हों। आप उन्हें बता सकते हैं कि आप इन दूसरे अनुवादों को यूँ ही नहीं फेंक देंगे, शायद इसलिए क्योंकि आप मुसीबत में पड़ सकते हैं।

लेकिन आपको यह कहना होगा कि पॉल का यहाँ क्या मतलब था कि अग्रिप्पा उससे कह रहा था कि मैं तुमसे बहुत प्रभावित हूँ, पॉल, लेकिन मैं इसे खरीदने वाला नहीं हूँ। और, ज़ाहिर है, तुम्हारी सारी टिप्पणियाँ इसका समर्थन करने जा रही हैं। अब, NRSV, जो कि यथासंभव शाब्दिक और यथासंभव स्वतंत्र रूप से एक औपचारिक समकक्ष है, उसने NIV जैसी ध्वनि का उपयोग क्यों किया, जो कार्यात्मक होगी? खैर, इसका उत्तर दोहरा है।

नंबर एक, ग्रीक व्याकरण का एक औपचारिक पहलू है जो इसकी अनुमति देता है। इसका संबंध अनुनय की प्रकृति और भाषण की प्रकृति से है। और इसलिए, हम यहाँ एक अलंकारिक सेटिंग में हैं जहाँ अनुवादक के पास स्वतंत्रता है क्योंकि यह अभी भी शाब्दिक है कि अग्रिप्पा वास्तव में पूरे संदर्भ से क्या कह रहा था।

और इसलिए, भले ही यह गतिशील लगता हो, लेकिन इसकी भाषाई स्वीकार्यता है, या मैं इसे इस तरह से कह सकता हूँ, यहां तक कि एक औपचारिक समकक्ष अनुवाद को भी कभी-कभी कार्यात्मक होना होगा। अन्यथा, यह पाठक को गलत तरीके से संप्रेषित किया जाएगा। इसलिए, उन्होंने उस समय NRSV में कुछ कार्यात्मक या गतिशील समकक्षों में हाथ आजमाया।

आप देख सकते हैं कि इन अनुवादों की तुलना से यह एक अच्छा निर्णय है। सिर्फ़ ये चार। चलिए एक और अनुवाद पर नज़र डालते हैं।

गलातियों 5:4 को देखिए। अब, मुझे याद है कि एक नए मसीही के रूप में मैंने इस अंश को पढ़ा था और मैं काफी उलझन में पड़ गया था। किंग जेम्स वर्शन में मसीह का आपके लिए कोई महत्व नहीं रह गया है। आप में से जो भी व्यवस्था के द्वारा धर्मी ठहराए गए हैं, वे अनुग्रह से गिर गए हैं।

अब, इसे फिर से देखें। आप जो कानून के द्वारा न्यायसंगत हैं। एक मिनट रुकें।

मैं एक नया ईसाई हूँ, और मुझे बताया गया है कि मैं अनुग्रह से न्यायसंगत हूँ। बाइबल कैसे कह सकती है, पॉल कैसे कह सकता है कि आप कानून द्वारा न्यायसंगत हैं? खैर, यह कहता है कि यदि आप इस तरह से न्यायसंगत हैं तो आप अनुग्रह से गिर गए हैं, लेकिन मैं वास्तव में एक महान पाठक नहीं हूँ, और मैं पंक्तियों के बीच नहीं पढ़ सकता क्योंकि मुझे ऐसा करने के लिए प्रशिक्षित नहीं किया गया है, और मुझे ऐसा लगता है कि जब मैं इसे पढ़ता हूँ तो मैं भ्रमित हो जाता हूँ, और मुझे याद है कि एक नए ईसाई के रूप में मैं ऐसा था। मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रहा था कि वह दोनों बातें कैसे कह सकता है? अब, देखें कि RSV फिर से क्या करता है।

एनआरएसवी फिर से ऐसा कर रहा है, और यह एक भाषा संबंधी मुद्दे से और भी अधिक सीधे संबंधित है जिसका उल्लेख मैं इस बारे में बात करते समय करूँगा। देखें कि यह गलातियों 5:4 का अनुवाद कैसे करता है। तुम जो व्यवस्था के द्वारा धर्मी ठहरना चाहते हो, तुमने अपने आप को मसीह से अलग कर लिया है, और तुम अनुग्रह से दूर हो गए हो। जोड़े गए शब्दों पर ध्यान दें।

मैंने उन्हें बोल्ड में लिखा। वाह। मैं इसे गलत नहीं समझता।

ये लोग कानून के द्वारा न्यायोचित होने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह काम नहीं करने वाला था। और पॉल ने उन्हें यह बताया। आप देखिए, इस मामले में, किंग जेम्स संस्करण ने अनुवाद के अपने सिद्धांत का यथासंभव शाब्दिक रूप से पालन किया, और यह इतना शाब्दिक है कि इसे समझने के लिए एक विद्वान की आवश्यकता है।

एनआईवी साथ आता है, और एनआरएसवी कुछ छोटे शब्द जोड़ता है ताकि आपको यह समझने में मदद मिले कि यह कुछ ऐसा था जो वे उन लोगों के साथ करना चाहते थे जिनसे पॉल

बात कर रहे थे। वे ऐसा चाहते थे, लेकिन यह संभव नहीं है। ग्रीक व्याकरण में, एक श्रेणी है जिसे कन्वेटिव या टेंडेंशियल कहा जाता है।

इस विशेष अंश में और यदि आपने ग्रीक भाषा का आनंद लिया है तो आप इसका आनंद ले सकते हैं। यदि नहीं, तो बस मुस्कराएँ। बहुत ज़ोर से मुस्कराएँ।

मैं के लिए आप कुछ चाहते हैं। व्याकरणिक अर्थ में, इसे इस श्रेणी में रखने की संभावना है, जिसका अर्थ है कि यह प्रयास किया गया है। यह वांछित है, लेकिन यह संभव नहीं है। अगला उदाहरण उसी प्रकृति का होने जा रहा है और आप इसे देखेंगे।

इसलिए, एक विद्वान के लिए एक व्याकरणिक औचित्य है जो इस तरह की भाषा का उपयोग करने के लिए एक अंश का अनुवाद और प्रतिपादन कर रहा है और वे शाब्दिक हो रहे हैं। वे भाषा को प्रस्तुत करने के अर्थ की सीमाओं के भीतर व्याकरणिक रूप से शाब्दिक हो रहे हैं। आप देखिए, अनुवाद कभी-कभी कुछ बिंदुओं पर व्याख्यात्मक होता है।

ऐसा होना ही चाहिए। और यहां तक कि NRSV भी हमें यह दिखाता है। वे यथासंभव शाब्दिक हैं, लेकिन वे ऐसा करने के लिए अनुवाद और व्याकरण की परंपराओं का उपयोग कर रहे हैं, और कभी-कभी यह कार्यात्मक लगता है, और यदि आप इसे ऐसा कहना चाहते हैं, तो यह ठीक है, लेकिन तथ्य यह है कि यह ठीक है।

यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। एनआईवी कहता है कि आप कानून के द्वारा न्यायसंगत होने की कोशिश कर रहे हैं। आप न्यायसंगत होने की कोशिश कर रहे हैं।

वे कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकते। और ध्यान दें कि उन्होंने यह भी जोड़ा है कि आप अनुग्रह से दूर हो रहे हैं, एक सिद्धांत के रूप में अनुग्रह से दूर हो रहे हैं। NLT क्योंकि यदि आप मसीह के नियम का पालन करके परमेश्वर के साथ अपने आप को सही बनाने की कोशिश कर रहे हैं, तो आप परमेश्वर के अनुग्रह से दूर हो गए हैं।

यह इसे थोड़ा और विस्तारित करता है, लेकिन यह वही बात सामने लाता है। तो, गलातियों 5.4 में हमारे पास क्या है? एक बार फिर, इस पर किंग जेम्स को पढ़ने की उलझन से बाहर, हमारे पास अनुवाद में तीन गवाहियाँ हैं जो हमें यह समझने में मदद करती हैं कि पॉल और जिन लोगों से वह बात कर रहा था, उनके संदर्भ में, वह वास्तव में उनसे कह रहा था, आप चाहते हैं कि आप ऐसा कर सकें, लेकिन आप नहीं कर सकते। आप नहीं कर सकते। यह काम करने का तरीका नहीं है।

अनुवादकों ने उस बिंदु पर आपकी मदद की, और यह आपको यह देखने में मदद करेगा कि, फिर भी आपके पास बाईं ओर नियंत्रण है। अक्सर RSV उस नियंत्रण का एक हिस्सा होता है, लेकिन यहाँ इन अंतिम दो दृष्टांतों में, वास्तव में तीन, यह कुछ न्यायोचित, जितना संभव हो सके शाब्दिक, लेकिन ऐसा करने के लिए कार्यात्मक रूप से चला गया। फिलिप्पियों 3:6 को देखें। फिलिप्पियों 3:6, जोश के बारे में, चर्च को सताना, धार्मिकता को छूना जो व्यवस्था में है, निर्दोष।

यह फिलिप्पियों की पुस्तक में पौलुस की व्यक्तिगत गवाही है, जो मसीह को जानने से पहले यहूदी व्यक्ति के रूप में उसके दिनों के बारे में है। ठीक है, अब ध्यान दें कि RSV, NRSV, जोश के मामले में क्या करता है, चर्च का उत्पीड़क, व्यवस्था के तहत धार्मिकता के मामले में, निर्दोष। अब उन्होंने इसे थोड़ा बदल दिया है, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं।

उन्होंने कहा कि धार्मिकता व्यवस्था के अधीन है। राजा जेम्स ने कहा कि धार्मिकता, जो व्यवस्था में है, निर्दोष है। व्यवस्था के अधीन एक छोटी सी बारीकियाँ हैं जो पाठक की मदद कर सकती हैं, लेकिन अगर आप चाहें तो यह अभी भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है।

अब, देखिए NIV क्या करता है। यह 1978 NIV है। जहाँ तक जोश, चर्च को सताने और विधि-सम्मत धार्मिकता का सवाल है, यह दोषरहित है।

पहली बार जब मैंने इसे पढ़ा तो मैं खुद को चाँद पर ले जाने के लिए उत्सुक हो गया। मुझे उस अनुवाद पर यकीन नहीं हुआ, और यह NIV का उपयोग करने के कई सालों का नतीजा था। मैंने फिलिप्पियों पर ज़्यादा काम नहीं किया था, और मैं NIV के उस अंश पर आया, और मैंने कहा, मेरी ज़मीन, वे कानूनी धार्मिकता के साथ कहाँ से आए? पॉल ने ऐसा नहीं कहा।

पॉल ने कानून के बारे में ऐसा कभी नहीं कहा। पॉल ने कानून का सम्मान किया क्योंकि वह क्या था और उसका उद्देश्य क्या था। वह कभी भी कानून का अपमान नहीं कर रहा था।

यीशु ने भी ऐसा नहीं किया। यह अच्छा अनुवाद नहीं है। यह गतिशील तुल्यता सीमा से बाहर चली गई।

क्या अनुमान लगाएँ? यह 1978 का NIV था, और निश्चित रूप से, यह लंबे समय तक चला, और जिसने भी इसे पढ़ा, उसे यही धारणा मिली, जो एक बुरी धारणा थी। 2011 के NIV में, उन्होंने इसे बदल दिया। यहाँ बताया गया है कि उन्होंने इसे कैसे प्रस्तुत किया।

जहाँ तक व्यवस्था के आधार पर धार्मिकता की बात है, उन्होंने NRSV के समान ही कुछ किया। व्यवस्था के अधीन धार्मिकता, उन्होंने कहा कि व्यवस्था के आधार पर धार्मिकता, निर्दोष। पौलुस विधि-सम्मत धार्मिकता का अनुसरण नहीं कर रहा था।

यह वह नहीं था जिसके बारे में कानून था, और इसलिए यहाँ NIV द्वारा बहुत ही खराब अनुवाद किया गया। आइए देखें और देखें कि NLT ने क्या किया।

और जोशीला। हाँ, वास्तव में, मैंने चर्च को बहुत सताया, और मैंने यहूदी कानून का इतनी सावधानी से पालन किया कि मुझ पर कभी कोई दोष नहीं लगाया गया। खैर, यह वास्तव में बहुत बुरा नहीं है, भले ही मुझे खेद है कि उन्होंने धार्मिकता जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक शब्द को हटा दिया, लेकिन यह पाठक को पॉल द्वारा कानून का पालन करने और कानून को बनाए रखने के बारे में कुछ बताता है, जो करना एक अच्छी बात थी।

कानून कोई बुरी चीज़ नहीं थी। कानून पवित्रता का उदाहरण था। अगर आपके पास कोई ऐसा बैल है जो उकसाता है, तो उससे छुटकारा पाएँ।

अगर आपके पास कोई कुत्ता है जो काटता है, तो उससे छुटकारा पाएँ। और इसलिए, एनएलटी बहुत दूर नहीं है, लेकिन आप इसे देख सकते हैं, और आपको भाषा के साथ बहुत विशिष्ट होना होगा, जैसा कि आप यहाँ देख सकते हैं जब आप इन संस्करणों की तुलना कर रहे हैं, लेकिन भाषा व्याख्या है। तो, वे कॉलम हैं।

अब, आइए अगले पृष्ठ, पृष्ठ छह पर नज़र डालें। मैं आपको कुछ और उदाहरण देता हूँ। मत्ती 19.9. मैंने यह अंश यहाँ जानबूझकर रखा है क्योंकि मैं आपको बाद में 1 कुरिन्थियों 7 का एक भाग पढ़ाऊँगा जो बाइबल में तलाक और पुनर्विवाह के सवाल से संबंधित है।

खैर, अगर मैथ्यू 5 और मैथ्यू 19 में मैथियन मार्ग नहीं होता, जहाँ हमारे पास तथाकथित अपवाद खंड हैं, तो कोई विवाद या चर्चा भी नहीं होती क्योंकि बाइबल में ऐसा कोई स्थान नहीं होता जहाँ व्यभिचार को छोड़कर तलाक को थोड़ा भी स्वीकार्य माना जा सकता हो। इसे इसके लिए अपवाद खंड कहा जाता है। NRSV में कहा गया है कि व्यभिचार को छोड़कर।

अब, उन्होंने व्यभिचार के बजाय व्यभिचार क्यों कहा? खैर, इसका उत्तर यह है कि व्यभिचार यौन अनैतिकता के लिए सबसे व्यापक शब्द है, और हमारी संस्कृति में व्यभिचार सबसे व्यापक शब्द है, और इसलिए उन्होंने एक समान विचार रखा, लेकिन उन्होंने शब्दों को बदल दिया। यदि आप इसे ठीक से समझें तो इसका मतलब वही है। देखें कि NIV ने क्या किया।

उन्होंने कहा कि वैवाहिक बेवफाई को छोड़कर। अब यह व्याख्यात्मक है। अब आपको इसे समझाने के लिए 1 कुरिन्थियों 7 तक इंतजार करना होगा, लेकिन मैं आपको बता रहा हूँ कि उन्होंने इस बहुत कठिन पाठ की लगभग सात व्याख्याओं में से एक को चुना है, और उन्होंने पाठक को इस दिशा में झुका दिया है कि यह पाठ केवल विवाह के भीतर यौन अनैतिकता, वैवाहिक बेवफाई को संबोधित कर रहा है, जबकि यह बिल्कुल भी ऐसा नहीं था।

हम इस बारे में बाद में बात करेंगे, लेकिन क्या पता? 2011 के NIV ने इसे बदल दिया। वैवाहिक बेवफाई को छोड़कर कहने के बजाय, उन्होंने इसे वापस यौन अनैतिकता में बदल दिया। उन्होंने इसे यथासंभव शाब्दिक रूप से, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र रूप से वापस ले लिया।

उन्होंने वैवाहिक बेवफाई को छोड़कर पहले अनुवाद द्वारा किए गए निर्णय को हटा दिया, और एक अधिक सामान्य कथन रखा जो अब व्याख्या के लिए खुला है, जो कि होना भी चाहिए क्योंकि यह बाइबल में तलाक और पुनर्विवाह के अंशों में एक अत्यधिक विवादित पाठ है। अब, एनएलटी नहीं बदला है। मैं आपको यह बताता हूँ: एक आदमी जो अपनी पत्नी को तलाक देता है और दूसरी से शादी करता है, वह व्यभिचार करता है जब तक कि उसकी पत्नी बेवफा न हो।

खैर, देखिए, यह एक और पूरी तरह से कीड़े का डिब्बा है जिसके बारे में मैं नहीं बताने जा रहा हूँ, लेकिन इसका क्या मतलब है? मेरा क्या मतलब है? मेरा मतलब है जागरूक होना। इन प्रमुख

संस्करणों का उपयोग करके आप चीजों से संपर्क में आ सकते हैं। अब, आपको इस मामले से राजकुमारी को बाहर निकालने के लिए बहुत सारे मेंढकों को चूमना पड़ सकता है।

मैंने आपको यह समझाने के लिए कुछ स्पष्ट अंश चुने हैं, और आप हफ्तों तक पढ़ सकते हैं और शायद आपको कुछ भी उतना दिलचस्प न मिले, लेकिन अगर आप अपनी आँखें खुली नहीं रखेंगे, तो जब ऐसा होगा तो आप इसे चूक जाएँगे। बाइबल का छात्र बनें। 1 कुरिन्थियों 5:5 को देखें। किंग जेम्स वर्शन में शरीर के विनाश के लिए।

न्यू रिवाइज्ड स्टैंडर्ड वर्शन में शरीर के विनाश के लिए। लेकिन ध्यान दें कि एनआईवी क्या करता है ताकि पापी स्वभाव को नष्ट किया जा सके।

अब, एक मिनट रुकिए। हम मांस की बात कर रहे थे, जो यह है, या हम किसी ऐसी चीज़ के बारे में बात कर रहे हैं जो आंतरिक है? क्या मांस पाप प्रकृति का एक रूपक है? खैर, तथ्य यह है कि मांस पाप प्रकृति का एक रूपक है। इसलिए, यह कहना नाजायज़ है कि मांस पापी प्रकृति है, लेकिन आइए इसके बारे में पूछें।

1 कुरिन्थियों 5 की व्याख्या और इस व्यक्ति के बारे में क्या जिसने यह पाप किया है?

1 कुरिन्थियों 5 की व्याख्या और इस व्यक्ति के बारे में क्या जिसने यह पाप किया है? क्या यह आयत कह रही है कि परमेश्वर उन्हें शारीरिक या सांसारिक रूप से प्रभावित करने जा रहा है, या यह कह रही है कि परमेश्वर उनके साथ आंतरिक रूप से कुछ करने जा रहा है? ये उस अंश की दो प्रमुख व्याख्याएँ हैं। NIV ने एक को चुना। अंदाज़ा लगाइए क्या? 2011 NIV ने बदल दिया कि पापी स्वभाव को वापस शरीर के विनाश में नष्ट किया जा सकता है।

क्यों? क्योंकि शरीर का नाश सबसे सरल अनुवाद है। यह यथासंभव शाब्दिक है। यह इस बारे में कोई निर्णय नहीं ले रहा है कि इस विशेष संदर्भ में शरीर का क्या अर्थ है।

यह यथासंभव शाब्दिक है। आप देख सकते हैं कि 2011 NIV ने पाठक को चीजों का पीछा करने देने के बजाय पाठक को अपना दृष्टिकोण बताने की ओर वापस कदम बढ़ाया है, यदि आपका दृष्टिकोण किसी बड़े स्तर पर विवादित चीज़ है, जो कि इस विशेष मार्ग में है। मुझे नहीं पता कि उन्होंने कभी NLT को सही किया है या नहीं।

वे पापी स्वभाव के साथ भी चलते हैं। मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर वे ऐसा करते समय NIV को नहीं देख रहे थे। यह कार्यक्षमता है, है न? अनुवादकों को मदद की ज़रूरत है।

वे कभी-कभी ऐसी ही चीज़ें करते हैं जैसी आप करते हैं। ठीक है, यहाँ एक है। ओह, यह मेरी पसंदीदा चीज़ों में से एक है।

1 कुरिन्थियों 7:1. मैं कुरिन्थियों में इनके बारे में बाद में बात करूँगा। किंग जेम्स वर्शन में, 1 कुरिन्थियों 7.1 में, यह कहा गया है कि एक पुरुष के लिए एक महिला को न छूना अच्छा है। यह

एक बहुत बड़ी बात है, है न? क्या इसका मतलब यह है कि उसे न छुएँ? अमेरिका में, हमारे पास बाइबल कॉलेज मूवमेंट के नाम से जाना जाने वाला एक आंदोलन था।

और उनके पास छह इंच का नियम था। आप किसी लड़की से छह इंच के दायरे में नहीं आ सकते थे, नहीं तो आपके मन में पापपूर्ण विचार आ सकते थे। यह एक तरह से बेवकूफी थी।

वैसे भी आपके मन में पापपूर्ण विचार हैं। इसे दूसरे दृष्टिकोण से क्यों नहीं देखा जाता? लेकिन यह चीजों के प्रति एक तरह का बाह्यवादी और कानूनी दृष्टिकोण था। लेकिन फिर भी, इसका क्या मतलब है कि एक पुरुष के लिए एक महिला को न छूना अच्छा है? अंदाज़ा लगाइए? वे एक संशोधित मानक संस्करण बनाते हैं जो उस अनुवाद को बनाए रखता है।

एक पुरुष के लिए एक महिला को न छूना अच्छा है। वे ऐसा क्यों करते हैं? खैर, मुझे लगता है कि इसका उत्तर यह है कि यह वाक्यांश एक कहावत जैसा है जिसे विद्वानों के तरीके से समझाया जाना चाहिए। और इसके परिणामस्वरूप, वे इसके बारे में कोई निर्णय लेने के बजाय इसे यथासंभव शाब्दिक रूप से छोड़ देंगे।

मुझे लगता है कि मूल NIV 58 में इसे इस तरह से कहा गया है। एक आदमी के लिए शादी न करना अच्छा है। पहली बार जब मैंने यह देखा, तो मैंने कहा, दुनिया में क्या है? यह इस पूरे अनुच्छेद के बिल्कुल विपरीत है।

पॉल ने इस अंश में कहा है कि बिस्तर निष्कलंक है। उन्होंने कहा है कि इस अंश में प्रार्थना की तुलना में सेक्स को प्राथमिकता दी गई है। अब, मैं बाद में इसके बारे में कुछ बताऊंगा, और मैं अभी आपको इसके बारे में चिढ़ाऊंगा।

ताकि पापी स्वभाव, क्षमा करें, एक आदमी के लिए शादी न करना अच्छा है। यह एक बुरा अनुवाद है। वास्तव में, गॉर्डन फी ने एक बड़ा लेख लिखा था जिसे मैं आपको बाद में उस अनुवाद के खिलाफ नोट्स में दूंगा।

और उसे इस चीज़ को बदलने में 2011 तक का समय लग गया। यह बुरा था। यह उस पूरे मार्ग को गलत दिशा में ले जाता है। और फिर एनएलटी आता है और कहता है, हाँ, एक आदमी के लिए ब्रह्मचारी जीवन जीना अच्छा है।

बकवास। भगवान ने पुरुष और महिला को एक साथ रहने के लिए बनाया है। उत्पत्ति के अनुसार, उसने उन्हें नर और मादा बनाया है, ताकि वे संतान पैदा कर सकें और एक-दूसरे का आनंद ले सकें।

पॉल ऐसा कुछ नहीं कहेंगे। आपको इन अनुवादों को देखना चाहिए, है न? आपको उन्हें देखना चाहिए। आपको नियंत्रण, औपचारिक समतुल्यता की आवश्यकता है, भले ही आपको KJV जैसी किसी चीज़ पर वापस जाना पड़े।

हालाँकि यह कमजोर हो सकता है, आप कोई दूसरा विकल्प चुन सकते हैं। लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं, तो मैं इसे अभी भी मिश्रण में रखूँगा, क्योंकि भले ही इसमें इस्तेमाल किए गए ग्रीक पाठ के बारे में कोई निर्णय लेने के लिए बहुत कम पांडुलिपियाँ थीं, लेकिन इसमें बहुत कुछ ऐसा है जिसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है। और मुझे लगता है कि यही बात NRSV ने आपको पहले ही दिखा दी है, कि यह थोड़ा विचलित हो सकता है।

लेकिन साथ ही, इसे उसी तरह रखा गया क्योंकि ऐसा करना बहुत महत्वपूर्ण है। आपको इस विशेष वाक्यांश का अध्ययन करना होगा। आप इसे सतही तौर पर नहीं ले सकते, जो कि पवित्रशास्त्र में बहुत से कथनों के लिए सच है।

यह स्वयंसिद्ध नहीं है। बाइबल का अध्ययन किया जाना चाहिए, न कि केवल पढ़ना। पढ़ने से आप एक अच्छे इंसान बनेंगे।

यह आपको पवित्रशास्त्र के नैतिक तत्वों से परिचित कराएगा, लेकिन यह आपको बाइबल के अलग-अलग अंशों के बारे में नहीं बताएगा। खैर, 1 थिस्सलुनीकियों 1:3। मैं समय से बाहर होने के कगार पर हूँ, इसलिए बहुत जल्दी यहाँ आ गया हूँ। मुझे यह पसंद है।

विश्वास का काम, प्रेम का श्रम, आशा का धैर्य। यह एक अच्छी लय है, है न? वास्तव में, यह इतना अच्छा है कि NRSV ने इसे बनाए रखा। विश्वास का काम, प्रेम का श्रम, और वे दृढ़ता शब्द का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि धैर्य का अर्थ धैर्यपूर्ण दृढ़ता और आशा की दृढ़ता है।

फिर, आप NIV पढ़ें। आपका काम विश्वास से उत्पन्न हुआ, आपका परिश्रम प्रेम से प्रेरित हुआ, और आपका धीरज आशा से प्रेरित हुआ। NIV कॉन्कॉर्डेंस में आपका स्वागत है।

उन्होंने बाइबल में ढेर सारे शब्द जोड़ दिए हैं। क्या यह बुरा है? नहीं। वे विचार को समझाने की कोशिश कर रहे हैं, और जब तक आप ग्रीक के छात्र नहीं रहे हैं और इस अंश पर काम नहीं किया है, तब तक आपको पता नहीं चलेगा कि उन्होंने इन सभी शब्दों का अनुवाद व्यक्तिपरक जननात्मक शब्दों के रूप में किया है।

मैं इसकी व्याख्या नहीं करने जा रहा हूँ। यहाँ पर बहुत सी बातें हैं, लेकिन तथ्य यह है कि जब आपके पास क्रिया के संज्ञाओं के साथ एक व्यक्तिपरक संबंध होता है, तो क्रिया का निर्माण करने वाला तत्व क्रिया का निर्माण करता है। इसीलिए वे विश्वास द्वारा निर्मित शब्द को मुख्य शब्द के रूप में उपयोग करते हैं। फिर, वे समानार्थी शब्दों का उपयोग करते हैं।

श्रम प्रेरित, प्रेरित प्रेम से उत्पन्न होता है, और धीरज प्रेरित होता है। मैं चाहता हूँ कि उन्हें उस शब्द का उपयोग करना चाहिए था, लेकिन उन्होंने किया। यह एक उत्पादन शब्द है।

वे उस अनुवाद में व्याकरण संबंधी बिंदु को सामने लाने के लिए तीन समानार्थी शब्दों का उपयोग करते हैं। मुझे नहीं लगता कि पाठ में इस बिंदु पर इसे विस्तारित करने की आवश्यकता है। यदि आपके पास कोई अच्छी टिप्पणी है तो वह आपके लिए यह काम कर सकती है।

सच तो यह है कि इस अनुवाद में कुछ भी गलत नहीं है। मुझे यह पसंद है। यह एक अच्छा अनुवाद है।

इस पर कुछ अन्य विचार भी हैं, लेकिन वे वास्तव में कोई बड़ा धार्मिक अंतर नहीं बनाते हैं, जैसे कि कानूनी धार्मिकता या कुछ अन्य ग्रंथ। ध्यान दें कि NLT ने क्या किया। इसने वास्तव में एक अलग ग्रीक श्रेणी का उपयोग किया।

इसमें एक विशेषण श्रेणी का उपयोग किया गया है: निष्ठावान कार्य, प्रेमपूर्ण कर्म, और फिर अंतिम, शुभ रात्रि, हमारे प्रभु की वापसी की आपकी निरंतर प्रत्याशा। खैर, मैं इस बात पर बहुत बहस नहीं करूंगा कि आशा अंतिम समय की बात है। मैं तर्क दूंगा कि यह ज्यादातर मामलों में होगा, लेकिन उन्होंने इस मामले में बहुत जल्दबाजी की है और आपको वास्तव में विस्तारित गतिशील समकक्ष संस्करण दिया है।

जैसे ही मैं समाप्त करता हूँ, मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि किंग जेम्स बाइबल भी कई बार गतिशील होती है। 1 तीमोथियुस 3:11 को देखें। यह पादरी और एल्डर बनने की योग्यताओं, डीकन बनने की योग्यताओं के बारे में है। और फिर इस अंश का एक बहुत ही विवादास्पद हिस्सा है कि क्या ये डीकन की पत्नियाँ हैं, क्योंकि यह पत्नियों के बारे में पूरी सूची देता है, या वे महिला डीकन हैं।

और मैं यहाँ आपके लिए इसका समाधान नहीं करने जा रहा हूँ, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में आपको जागरूक होने की आवश्यकता है, कि यह अनुवाद में एक वैध प्रश्न है। यदि आप वास्तव में इस मार्ग में ग्रीक का आरेख बनाते हैं, तो आपको महिला उपयाजकों के साथ जाना होगा, लेकिन आरेख हमेशा व्याख्या का अंत नहीं होते हैं। चूँकि आपको वही मिला है, इसलिए मैं उन्हें इस मार्ग के संदर्भ में क्रिया की प्रत्यक्ष वस्तु कहूँगा।

ऐसा ही उनकी पत्नियों को भी करना चाहिए, लेकिन एक मिनट रुकिए, ग्रीक में महिला के लिए शब्द गुने है। नए नियम में पत्नी के लिए गुने के अलावा कोई और शब्द नहीं है। यह संदर्भ है जो आपको यह बताता है कि यह महिला है या पत्नी।

इसलिए, अगर आपको पति और पत्नी के बीच सामाजिक रीति-रिवाजों के बारे में कोई संदर्भ मिल गया है, तो यह पति और महिलाओं के बीच नहीं है। वास्तव में, पति के लिए शब्द के साथ भी यही समस्या होती है। क्या यह पुरुष है या पति? संदर्भ किसी शब्द का अर्थ निर्धारित करता है।

कभी-कभी, यह शब्द एक से ज़्यादा तरह के संदर्भों को कवर करता है। इस संदर्भ में, सवाल यह है कि क्या ये महिलाएँ हैं या पत्नियाँ? पत्नियाँ एक व्याख्या है। महिलाएँ जितना संभव हो उतना शाब्दिक है।

तो यहाँ किंग जेम्स ने वास्तव में इसे पत्नियों के रूप में व्याख्यायित किया और जितना संभव हो सके शाब्दिक अर्थ से हटकर एक धार्मिक निर्णय लिया, जिसने उन्हें डीकन की पत्नियाँ बना दिया। शायद वे किसी समस्या से बच रहे थे और वे महिला डीकन नहीं चाहते थे। मुझे नहीं पता।

हो सकता है कि कोई धार्मिक अभियान चल रहा हो, लेकिन जो भी मामला हो, यह एक व्याख्या है। यह यथासंभव शाब्दिक नहीं है। देखिए NRSV ने क्या किया।

उन्होंने महिला शब्द का इस्तेमाल किया। इस गुणे श्रेणी के लिए महिला सबसे सामान्य शब्द है। पत्नियाँ अधिक व्याख्यात्मक होंगी।

महिलाएं कम व्याख्यात्मक हैं, लेकिन यह एक तरह से मार्ग को दूसरी दिशा में ले जाती है, है न? लेकिन यह जितना संभव हो उतना शाब्दिक है। देखें कि 58 के NIV ने क्या किया। पत्नियाँ सम्मान के योग्य महिलाएँ होनी चाहिए।

उन्होंने एक व्याख्या की। अंदाज़ा लगाइए क्या? 2011 में, उन्होंने इसे वापस महिलाओं में बदल दिया, जो कम व्याख्यात्मक है और यह पाठक पर छोड़ देता है कि वह बहस करे कि यह महिलाएँ हैं या पत्नियाँ। NLT ने व्याख्या करने वाली पत्नियों के साथ काम किया। इसलिए, 1 तीमुथियुस 3:11 के उस विशेष अंश में, उस पाठ में बहुत अधिक लिंग संबंधी बोझ है, और यह अनुवादों में दिखाई देता है, यहाँ तक कि पुराने अनुवादों में भी।

तो सुनो दोस्तों, मैं तुम्हें क्लास बुलाता हूँ। मुझे इसकी आदत है जब लोग मेरे सामने बैठे होते हैं। अपनी बाइबल को जानो।

हम मंत्रालय के पेशेवरों के रूप में खेल नहीं खेल रहे हैं। हम उन लोगों के प्रति ज़िम्मेदार हैं जिन्हें हम सिखाते हैं, जिन मण्डलियों का हम नेतृत्व करते हैं, और जिन मित्रों के साथ हम बातचीत करते हैं, उन्हें बाइबल को गंभीरता से लेने की ज़िम्मेदारी है। बाइबल में हमारे काम और अध्ययन के संबंध में कुछ चुनौतियाँ हैं, और अनुवाद के सवाल से निपटना उनमें से सिर्फ़ एक है।

अगर आप अंग्रेजी के अलावा किसी दूसरी भाषा में काम करते हैं, तो आपको शायद तीन या चार बाइबलों का संग्रह मिल जाएगा। मुझे यकीन है कि यह वहाँ है। यह आधुनिक संस्कृति है।

स्पैनिश में संभवतः बाइबलों की एक श्रृंखला होगी। जर्मन में भी बाइबलों की एक श्रृंखला हो सकती है। इसलिए, हर संस्कृति में लोगों की भाषा में बाइबल का प्रसार होता है।

उन्हें खोजें और समझें कि वे क्या हैं और कैसे काम करते हैं। अक्सर, ईसाई दुनिया पर अमेरिका के प्रभाव के कारण, आप देखेंगे कि हम जो बात कर रहे हैं और जो दूसरी ईसाई संस्कृति में होता है, उसके बीच संबंध हैं। बाइबल अध्ययन के योग्य है। इसे अपना पूरा ध्यान दें।

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर दिया गया उपदेश है। यह व्याख्यान 2 है, अभिमुखीकरण, बहुत सारी बाइबलें, बहुत कम समय, भाग 2।